

वायु सेना विद्यालय पंचवटी

बज्ज सीरीज 5.2 (समाचार पत्रिका)

प्रमुख उत्सव - (जुलाई - सितंबर)

नारंगी दिवस समारोह

दिनांक 12. 08. 25 को स्कूल में ऑरेंज डे बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्हे बच्चों ने नारंगी रंग की पोशाकें पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया और पूरे विद्यालय का वातावरण रंग-बिरंगा हो गया। कक्षा को भी नारंगी रंग के गुब्बारों, फलों और चित्रों से सजाया गया था। शिक्षकों ने बच्चों को नारंगी रंग के महत्व और इसके प्रतीकात्मक अर्थ जैसे ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता के बारे में बताया। विभिन्न गतिविधियों जैसे चित्रकला, रंग भराई और फलों की पहचान के माध्यम से बच्चों ने इस दिन का आनंद लिया। इस प्रकार, ऑरेंज डे ने बच्चों में रंगों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उनके ज्ञान और रचनात्मकता को भी बढ़ाया।



नीला दिवस समारोह

दिनांक 18. 07. 25 को स्कूल में ब्लू डे की उत्साहपूर्ण दिवस थी। पूरे स्कूल में हर छात्र और अध्यापक नीले रंग के कपड़े पहने नजर आ रहे थे। क्लासरूम और गलियारों को नीली गुब्बारों, नीले पोस्टर से सजाया गया था। कला और शिल्प की गतिविधियों के तहत सभी ने मिलकर नीला चित्र बनाया — जिसमें आकाश, समंदर और फूलों को नीले रंगों से भर कर सुंदर दृश्य तैयार किया गया। अंत में कविता वाचन और गीतों ने माहौल को और भी जश्रिया बना दिया। ब्लू डे ने न केवल रंगों का आनंद दिया बल्कि यह याद दिलाया कि हमारी विविधता में भी एकता है, और हर रंग अपनी खास पहचान रखता है।



गुलाबी दिवस समारोह

स्कूल में पिंक डे का उत्सव बहुत ही रंगीन और आनंदमयी रहा। सुबह की सभा में बच्चे और शिक्षक हल्के से लेकर गहरे गुलाबी रंग के कपड़ों में सजे हुए दिखाई दे रहे थे। गलियारे, क्लासरूम और notice-board गुलाबी गुब्बारों, गुलाबी रिबन और फूलों से सजाये गए थे। छात्रों ने गुलाबी खिलौने या गुलाबी रंग की चीजें घर से लाकर उन्हें दिखाया और बताया कि क्यों वह चीजें उनकी पसंदीदा हैं। कला एवं शिल्प की गतिविधियों में उन्होंने गुलाबी मोती, हाथ-छाप चित्र और गुलाबी फूलों की सजावट बनाई। कुछ छोटे-छोटे खेल और “show and tell” कार्यक्रम भी हुआ जिसमें बच्चों ने पिंक रंग के बारे में सीखा कि यह प्रेम, सौम्यता और सौंदर्य का प्रतीक है। पूरा माहौल खुशी और स्नेह से भरा रहा और पिंक डे ने बच्चों के बीच सौहार्द, सहयोग और सुंदरता की भावना को बढ़ावा दिया।



एयर फ़ोर्स म्यूज़ियम भ्रमण

दिनांक 02.08.25 को स्कूल के बच्चों ने एयर फ़ोर्स म्यूज़ियम, पलाम की यात्रा की, जो उनके लिए ज्ञानवर्धक और रोमांचक अनुभव था। म्यूज़ियम में प्रवेश करते ही बच्चों ने देखा कि कैसे 1932 में भारतीय एयर फ़ोर्स की शुरुआत हुई, उसके बाद समय-समय पर किए गए ऑपरेशन्स, युद्ध-भूमियाँ, और शांति-स्थापना के कामों की झलक। इसके बाद बच्चों ने हैंगर क्षेत्र में जाकर विभिन्न छोटे और बड़े विमान, हेलीकॉप्टर और जमीनी रक्षा उपकरणों जैसे राडार, मिसाइल आदि देखा। बाहरी प्रदर्शनी क्षेत्र में वॉर ट्रॉफीज़ और युद्धों में प्रयोग हुए उपकरण भी प्रस्तुत थे। यह यात्रा केवल देखने-समझने तक सीमित नहीं रही; बच्चों ने प्रश्न पूछे, जानने की उत्सुकता दिखाई कि ये विमान कैसे चलते हैं, एयर फ़ोर्स ने किन-किन युद्धों में भाग लिया, और किस तरह की टेक्नोलॉजी का उपयोग होता है। इस तरह से एक शैक्षिक अनुभव बन गया जहाँ इतिहास, विज्ञान और देशभक्ति की भावनाएँ एक साथ जुड़ीं। यात्रा के अंत में सभी ने अपने अनुभवों को चित्रों और वर्णन से साझा किया, जिससे यह दिन सभी के लिए प्रेरणादायी और यादगार बन गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

हर साल 15 अगस्त को हमारा स्कूल स्वतंत्रता दिवस बड़े धूम-धाम से मनाता है। सुबह जल्दी ही स्कूल प्रांगण झंडा फहराने के लिए सज-संवरी हो जाती है, जहाँ राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और पूरा स्कूल “जन गण मन” गाता है। इसके बाद विद्यार्थी द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की कहानी प्रस्तुत की जाती है — एक नाटिका या स्किट के माध्यम से जिसने सुनाने वालों के दिलों में गर्व भर दिया। कक्षा-कक्षाओं ने देशभक्ति के गीतों और कविताओं की प्रस्तुति दी, और कुछ छात्रों ने देशभक्ति की भावना पर भाषण भी दिए, तिरंगा रंगों से संबंधित चित्र और पोस्टर बनाए गए। जब समारोह समाप्त हुआ, तो स्कूल ने सभी को संदेश दिया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, जिम्मेवारी भी है। इस तरह, स्वतंत्रता दिवस समारोह ने बच्चों में देशभक्ति, एकता और गौरव की भावना को प्रबल किया।



जन्माष्टमी उत्सव

दिनांक 18.08.25 को स्कूल में जन्माष्टमी बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में जन्माष्टमी का उत्सव हमेशा बेहद आकर्षक और सजीव होता है। विद्यालय को रंग-बिरंगी सजावट से सजाया जाता है — नारंगी, पीले और हरे फूल, झंडियाँ, रंगोली से परिसर गुंजायमान हो उठता है। सुबह विशेष सभा होती है जिसमें “भगवान कृष्ण की जन्म लीला” की कथा सुनाई जाती है, कविताएँ अथवा भजन-कीर्तन होते हैं। बच्चे “कृष्णा” और “राधा” के वेश में आते हैं, जिससे आनंद का माहौल बनता है। शिक्षक बच्चों को कृष्ण के आदर्शों — मधुरता, सच्चाई, करुणा और मित्रता — की प्रेरणा देते हैं। अंत में सभी मिलकर वातावरण में सौहार्द, भक्ति और सांस्कृतिक गर्व की भावना महसूस करते हैं।



वार्षिक दिवस समारोह



दिनांक 14.09.25 को हमारे विद्यालय का वार्षिक दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय भवन और सभागार को रंग-बिरंगी सजावट, फूलों और लाइटों से सुंदर रूप दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। प्रधानाचार्य ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति-रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियाँ, खेलों में सफलता तथा सह-पाठ्येतर गतिविधियों की जानकारी दी गई।

इसके बाद विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए — जैसे समूह नृत्य, नाटक, गीत, कविताएँ और नृत्य-नाटिका। दर्शक दीर्घा तालियों से गूंज उठी। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।



दशहरा उत्सव

दिनांक 23.09.25 को हमारे विद्यालय में दशहरा बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य के स्वागत भाषण और बच्चों द्वारा दुर्गा वंदना से हुई। विद्यालय के प्रांगण में रावण के पुतले का दहन भी किया गया, जिसे देखकर सभी बच्चों और शिक्षकों में उल्लास और उत्साह की भावना देखने को मिली। इसके अतिरिक्त बच्चों ने नृत्य, गीत और कविताओं के माध्यम से दशहरा पर्व की महत्ता को प्रदर्शित किया। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी को शुभकामनाएँ दी। यह पर्व सभी के लिए आनंददायक और शिक्षाप्रद अनुभव रहा।